भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *342
जिसका उत्तर 12 अगस्त, 2026 को दिया जाना है।
21 श्रावण, 1948 (शक)

फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्रोग्राम का कार्यान्वयन

***342. डॉ. इन्द्रा हांग सुब्बा :**

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्रोग्राम के प्रारंभ से लेकर अब तक इसके कार्यान्वयन का ब्यौरा क्या है तथा इसके अंतर्गत राज्य-वार कुल कितने व्यक्तियों का नामांकन किया गया, कितने व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया और कितने व्यक्तियों को प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान इस कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष-वार और राज्य-वार कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई और उपयोग में लाई गई है;

(ग) क्या सरकार ने इस कार्यक्रम के अंतर्गत सिक्किम सहित उत्तर-पूर्वी और हिमालयी राज्यों के युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इस कार्यक्रम के प्रारंभ होने के बाद से सिक्किम के कितने लाभार्थियों ने इसमें नामांकन किया है, प्रशिक्षण पूरा किया है और प्रमाण-पत्र प्राप्त किए हैं; और

(ङ) क्या सरकार का विचार इस संबंध में सिक्किम और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों में विशिष्ट प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना करने अथवा उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ भागीदारी करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से **(ङ)** : एक विवरण-पत्र सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

'फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्रोग्राम का कार्यान्वयन' के संबंध में दिनांक 12.08.2026 को लोक सभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *342 के उत्तर में उल्लिखित विवरण पत्र

****

(क) से **(ङ):** माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार भविष्य के लिए उपयुक्त कार्यबल तैयार कर रही है। इन कौशलों की आवश्यकता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बिग डेटा एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), सेमीकंडक्टर, क्लाउड कंप्यूटिंग आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अत्याधुनिक प्रौद्यागिकियों के पारिस्थितिकी तंत्र में होती है।

भारत आईटी के क्षेत्र में एक कौशल राजधानी है और अपनी मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन और कुशल कार्यबल के लिए जाना जाता है, इसके आईटी क्षेत्र को उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स जैसे वैश्विक आकलन के अनुसार, भारत एआई को अपनाने, इसकी तैयारी और पारिस्थितिकी तंत्र की जीवंतता के मामले में अग्रणी देशों में शुमार है। वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर डिजाइन कार्यबल में भारत की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत है, जो कौशल और प्रतिभा विकास पर इसके जोर को दर्शाता है। सभी क्षेत्रों में डिजिटल प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने के साथ, इस विकास को बनाए रखने के लिए डिजिटल रूप से कुशल कार्यबल विकसित करना महत्वपूर्ण हो गया है।

सरकार पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्र के युवाओं सहित देश भर के युवाओं के डिजिटल कौशलन और क्षमता निर्माण को प्राथमिकता देती है। इस उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में, विभिन्न मंत्रालय और विभाग उद्योग जगत के साथ साझेदारी में और शिक्षा और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के सक्रिय योगदान से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स, ड्रोन प्रौद्योगिकी, क्लाउड कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर डिजाइन जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में डिजिटल साक्षरता, रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहे हैं।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम:

इसी रणनीति के हिस्से के रूप में, भारत सरकार ने जुलाई, 2015 में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम शुरू किया था और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार अब कदम उठा रही है कि हम आईटी कौशल में अपने लाभ को बनाए रखना जारी रखें और फ्यूचरस्किल्स प्राइम कार्यक्रम सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में कौशल को बढ़ावा देते रहें ताकि डिजिटल प्रौद्योगिकियां प्रत्येक नागरिक के जीवन में सुधार कर सकें, भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर सकें और भारत में निवेश और रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। इन कार्यक्रमों ने देश भर में युवाओं और पेशेवरों की बड़े पैमाने पर भागीदारी को सक्षम बनाया है। आउटरीच मॉडल को न केवल फ्यूचरस्किल्स प्राइम पोर्टल के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है, बल्कि सी-डैक और नाइलिट के संसाधन केंद्रों द्वारा भी इसे समर्थन दिया जाता है।

फ्यूचरस्किल्स प्राइम प्रोग्राम:

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भारत को एक अत्याधुनिक डिजिटल प्रतिभा राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से नई/उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में उम्मीदवारों के कौशलन/पुन: कौशलन/कौशल उन्नयन के लिए नैसकॉम (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज) के साथ संयुक्त रूप से "फ्यूचरस्किल्स प्राइम" (एफएसपी) नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है। फ्यूचरस्किल्स प्राइम उद्योग जगत के अनुरूप पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह प्लेटफॉर्म एक चुस्त मॉडल के रूप में तैयार किया गया है। इसमें कौशल की मांग के साथ कौशल पाठ्यक्रमों को निरंतर अद्यतन करने की भी सुविधा है।

प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स, आईओटीएस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, एआर/वीआर आदि जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में कौशलन/पुन: कौशलन/कौशल उन्नयन।
- वास्तविक रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप उद्योगों के परामर्श से पाठ्यक्रम विकसित किए जाते हैं।
- पोर्टल को कभी भी, कहीं भी ऑनलाइन उपलब्ध कराया जा सकता है, ताकि उनकी योग्यता और आकांक्षाओं के अनुरूप कौशल प्रमाण पत्र अर्जित किया जा सके। https://futureskillsprime.in/
- वर्तमान में, एफएसपी पोर्टल पर 500 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जो उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए हैं और विभिन्न वैश्विक ओईएम भागीदार एफएसपी पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में सहयोग कर रहे हैं।

- अब तक, पोर्टल पर 34 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें से 23 लाख+ उम्मीदवारों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित/प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 13 लाख+ उम्मीदवारों को पूर्ण/प्रमाणित घोषित किया जा चुका है। इसमें 41% महिलाएं शामिल हैं और 86% से अधिक उम्मीदवार टियर 2 और टियर 3 शहरों से हैं।
- इसके अतिरिक्त, 22 सी-डैक/नाइलिट केन्द्रों को 10 उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के लिए लीड और सह-अग्रणी संसाधन केन्द्रों (आरसी) के रूप में समूहीकृत किया गया है और उन्हें सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षित करने और बूटकैंप आयोजित करने का अधिदेश दिया गया है।
- कुल मिलाकर, संसाधन केंद्रों (आरसी) में 420+बूटकैंपों के तहत 32,700+ सरकारी अधिकारियों, 2,367 प्रशिक्षकों और 40,400+ उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है।

फ्यूचरस्किल्स प्राइम कार्यक्रम के तहत राज्यवार नामांकित/प्रशिक्षित और पूर्ण/प्रमाणित घोषित किए गए उम्मीदवारों का विवरण इस प्रकार है:

राज्य	नामांकित/प्रशिक्षित	पूर्ण/प्रमाणित घोषित
अंडमान और निकोबार	230	108
आंध्र प्रदेश	4,34,489	2,44,096
अरुणाचल प्रदेश	150	52
असम	6,074	2,874
बिहार	45,402	23,740
चंडीगढ़	1,702	742
छत्तीसगढ़	11,853	5,767
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	146	71
गोवा	1,065	302
गुजरात	26,555	11,505
हरियाणा	36,033	19,173
हिमाचल प्रदेश	4,258	1,791
जम्मू और कश्मीर	6,339	3,630
झारखंड	15,750	6,986
कर्नाटक	2,10,043	1,51,701
केरल	1,42,732	94,920
लद्दाख	149	31
लक्षद्वीप	38	23
मध्य प्रदेश	71,396	31,826
महाराष्ट्र	2,23,044	1,15,703
मणिपुर	653	232
मेघालय	556	295
मिजोरम	91	40
नागालैंड	250	118
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	38,562	17,691
ओडिशा	80,386	58,142
पुडुचेरी	7,298	6,133
पंजाब	23,158	12,504
राजस्थान	23,562	10,716
सिक्किम	753	371
तमिलनाडु	5,89,429	3,61,336
तेलंगाना	1,52,207	84,147
त्रिपुरा	1,663	1,146
उत्तर प्रदेश	1,24,752	72,892
उत्तराखंड	12,439	6,359
पश्चिम बंगाल	46,650	23,357
अन्य	45,557	19,625

वर्ष-वार निधि आवंटन/उपयोग के विवरण:

फ्यूचर स्किल्स प्राइम कार्यक्रम को केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में कार्यान्वित किया गया है, इसलिए निधियों का आवंटन केन्द्रीय रूप से किया जाता है और इन्हें राज्य-वार विभाजित नहीं किया जाता है। पिछले 5 वर्ष के दौरान वर्ष-वार आवंटित/उपयोग की गई धनराशि निम्नानुसार है:

वर्षवार	आवंटित धन	उपयोग की गई धनराशि
वित्तीय वर्ष 2022-23	रु. 26.59 करोड़	रु. 25.72 करोड़
वित्तीय वर्ष 2023-24	रु. 23.58 करोड़	रु. 23.55 करोड़
वित्तीय वर्ष 2024-25	रु. 55.97 करोड़	रु. 51.94 करोड़
वित्तीय वर्ष 2025-26	रु. 98.479 करोड़	रु. 80.81 करोड़
वित्तीय वर्ष 2026-27	रु. 137.17 करोड़	--

सिक्किम सहित पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्र में एफएसपी का कवरेज:

- कुल 33,000+ उम्मीदवारों को नामांकित/प्रशिक्षित किया गया है और एफएसपी पोर्टल के माध्यम से 16,000 से अधिक उम्मीदवारों को पूर्ण/प्रमाणित घोषित किया गया है। इसमें सिक्किम में नामांकित/प्रशिक्षित 700+ उम्मीदवार शामिल हैं।
- इसके अलावा, नाइलिट केंद्रों के माध्यम से, अब तक बूटकैंपों के तहत 4,000+ सरकारी अधिकारियों (सिक्किम से 500+ सहित) और 5,400+ उम्मीदवारों (सिक्किम से 800+ सहित) को प्रशिक्षित किया गया है।
- इसके अलावा, एसएससी-नैसकॉम ने राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के प्रावधानों के तहत शैक्षणिक पाठ्यक्रम में एफएसपी पाठ्यक्रमों को अपनाने के लिए 17 राज्य सरकारों (असम, त्रिपुरा, मेघालय, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित) और 2000+ शैक्षणिक संस्थानों/विश्वविद्यालयों (पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्र के 14 संस्थानों सहित) के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

सिक्किम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में शुरू की गई अन्य पहलें:

इंडियाएआई मिशन:

भारत सरकार ने देश में समग्र एआई पारिस्थितकी तंत्र के विकास के लिए इंडियाएआई मिशन को मंजूरी दी।

- इंडिया एआई मिशन के फ्यूचर स्किल्स स्तंभ के तहत, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और संबंधित उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके एआई के क्षेत्र में उपयुक्त प्रतिभा तैयार करने के लिए इंडियाएआई डेटा और एआई प्रयोगशालाओं की स्थापना की जा रही है।
- इन डेटा और एआई प्रयोगशालाओं का प्राथमिक उद्देश्य क्षमता निर्माण और कौशल विकास है। तदनुसार, प्रयोगशालाएं प्रशिक्षण और प्रमाणन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।
- अब तक, नाइलिट केंद्रों के माध्यम से 27 इंडियाएआई डेटा और एआई प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, इसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों के 10 संस्थान और हिमालयी क्षेत्र के 5 संस्थान शामिल हैं।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट):

- नाइलिट डिग्री/डिप्लोमा कार्यक्रमों और कौशल आधारित दीर्घकालिक और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से ड्रोन संचालन, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा सहित सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में शिक्षा, कौशल और डिजिटल सक्षमता कार्यक्रम संचालित करता है।
- नाइलिट के पास देश के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में भी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए देश भर में फैले अपने 56 केंद्रों और 9000+ भागीदार संस्थानों का एक विस्तृत नेटवर्क उपलब्ध है।
- 56 केंद्रों में से 22 पूर्वोत्तर क्षेत्र में अवस्थित हैं, जिनमें सिक्किम राज्य में गंगटोक केंद्र भी शामिल है।
- इस नेटवर्क के माध्यम से, पिछले 03 वर्ष में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न श्रेणियों के कार्यक्रमों के तहत नाइलिट द्वारा 31 लाख+ उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।
- इसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र के 3.05 लाख+ उम्मीदवार शामिल हैं, जिनमें सिक्किम राज्य के 20,000+ उम्मीदवार शामिल हैं।

******